संभावित वक्तागण

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
शिक्षाविद् एवं पूर्व कुलपति
महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

आचार्य प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी
कुलपति
अटल बिहारी वाजपेयी, वि.वि., बिलापुर

डॉ. ओ.पी. वर्मा
पूर्व अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग
रायपुर (छ.ग.)

श्रीराम परिहार
निदेशक - निराला सृजनपीठ
संस्कृत परिषद मध्यप्रदेश शासन, भोपाल

डॉ. नंदकिशोर पांडेय
संकायाध्यक्ष, कला-संकाय
राजस्थान वि.वि, जयपुर

प्रो. सतीश चतुर्वेदी
सेवानिवृत प्राध्यापक, हिंदी गुना

प्रो. पवन अग्रवाल
प्राध्यापक-हिंदी,
लखनऊ वि.वि., लखनऊ

डॉ. रामसनेहीलाल शर्मा
'यायावर' फिरोजाबाद

डॉ. राजेन्द्र यादव
आचार्य एवं अध्यक्ष, हिंदी
इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

डॉ. मनोज पाण्डेय
राष्ट्रसंत तुकडोजी विश्वविद्यालय, नागपुर

डॉ. श्यामलाल निराला
शिक्षाविद्, प्राचार्य,
शास. जमुना प्रसाद वर्मा महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

डॉ. अंजू शुक्ला
शिक्षाविद्, प्राचार्य,
डी.पी.विप्र महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

संरक्षक

प्रो. वंश गोपाल सिंह
माननीय कुलपति
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सह-संरक्षक

डॉ. इंदु अनंत
कुलसचिव
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

समन्वयक

प्रो. राजेश चतुर्वेदी
निदेशक, कला संकाय (मो.नं.-9827647357)

परामर्श

प्रो. शोभित वाजपेयी
निदेशक, वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय (मो.नं.-9425230007)

प्रो. एस. के. गुप्ता
निदेशक, विज्ञान संकाय (मो.नं.-8962821484)

प्रो. वीणा पाणि दुबे
निदेशक, जीवविज्ञान संकाय (मो.नं.-9877195058)

संयोजक

डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति
विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग (मो.नं.-9229703055)

सह-संयोजक

डॉ. बीना सिंह
विभागाध्यक्ष शिक्षा-विभाग (मो.नं.-9425564509)

आयोजन सचिव

डॉ. अनीता सिंह
सहा. प्राध्यापक, शिक्षा विभाग (मो.नं.-9827118808)

आयोजन समिति

डॉ. प्रकृति जेन्सी, सहा. प्राध्यापक-शिक्षा (मो. 9993450848)
डॉ. प्रीति रानी मिश्रा, विभागाध्यक्ष, सूचना एवं ग्रंथालय विभाग (7587365320)
श्री देशमलाल प्रधान, विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विज्ञान (मो. 7024383191)
श्री संजीव कुमार लवानियाँ, विभागाध्यक्ष, समाजकार्य (मो. 8476985418)
डॉ. एस. रवेन्द्रराव, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान (मो. 88179561221)
डॉ. पुष्कर दुबे, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन (मो. 7024289666)
डॉ. मोरध्वज त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक, वाणिज्य (मो. 9425543083)
श्री प्रवीण टोप्पो, विभागाध्यक्ष, अँग्रेज़ी विभाग (मो.7748014451)
श्रीमती वर्षा शशीनाथ, सहा. प्राध्यापक, शिक्षा (मो. 7000475114)
श्री ओम प्रकाश पटेल, ग्रंथपाल (मो. 6264568045)

आजादी का अमृत महोत्सव

G20

नेता जी सुभाषचन्द्र बोस
की जयंती पर

दो दिवसीय
राष्ट्रीय-संगोष्ठी
23-24 जनवरी, 2024

भारतीय स्वाधीनता-आंदोलन : श्रुत एवं अविश्रुत गाथाएँ

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़,
बिलासपुर
(नैक द्वारा A+ प्रदत्त)

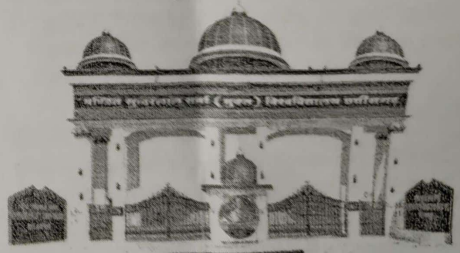

आयोजक

हिंदी-विभाग

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़,
बिलासपुर

e-mail - seminarchdhindi2017@gmail.com

स्वाधीनता-आंदोलन : श्रुत एवं अश्रुत गाथाएँ

के बारे में....

स्वाधीनता-आंदोलन की शौर्य-गाथाएँ सदैव राष्ट्र को जाग्रत करती और करती रहेंगी। राष्ट्र विकास के पथ पर हम अग्रसर रहें, इसके लिए हमें भारतीय संस्कृति के गौरवमयी अतीत से और बलिदानियों की आत्मोसर्ग भावना से प्रेरणा लेनी होगी। राष्ट्र की सीमाएँ सुरक्षित रहेंगी, तभी हम सुरक्षित हैं, अतः स्वाधीनता-आंदोलन की शौर्य-गाथाएँ को हमें अपना पथ-प्रदर्शक बनाना होगा। ये संस्मृतियाँ हमें सदैव स्मरण कराती रहेंगी कि हमारे पूर्वजों ने गुलामी की शृंखलाओं को तोड़ने में कितनी मानसिक और शारीरिक यातनाएँ भोगी हैं। यह राष्ट्र उन अमर बलिदानियों की धरोहर है जिसे ये हमें सौंपकर गए हैं, अतः भारतीय होने के कारण हमारा नैतिक दायित्व है कि हम जीवन के प्रत्येक क्षण में इन वीर सपूत क्रांतिवीरों के शौर्य का स्मरण कर उन्हें अपनी स्मरणांजलि के पुष्प समर्पित करते रहें-

पूजे न शहीद गए, तो फिर यह पंथ कौन अपनाएगा?
तोपों के मुँह से कौन, अकड़ अपनी छातियाँ अड़ाएगा?
चूमेगा फन्दा कौन, गोलियाँ कौन वक्ष पर खाएगा?
अपने हाथों अपने मस्तक, फिर आगे कौन बढ़ाएगा?

संगोष्ठी का उद्देश्य :

वर्तमान में हम सभी स्वतंत्रता के अमृत-महोत्सव काल में हैं, जिसमें हम राष्ट्र को रूपांतरित होते, दासता के प्रतिबिंबो को समाप्त होते और एक नए भारत का अरुणोदय होते देख रहे हैं। हमारे देश की युवा-पीढ़ी इस अरुणोदय की प्रभा से आनंदित और अभिभूत तो है, किन्तु विकास और राष्ट्र-उत्थान के लिए स्वाधीनता में नींव के पत्थर रहे महान व्यक्तित्वों और विशेष परिस्थितियों को भी समझना और जानना आवश्यक है। क्योंकि...

प्रेरणा शहीदों से हम अगर नहीं लेंगे।
तो आज़ादी ढलती हुई सांझ हो जाएगी।।
यदि वीरों की पूजा हम नहीं करेंगे।
तो सच मानो वीरता बांझ हो जाएगी।।

हमारे देशवासियों में और आने वाली पीढ़ियों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना उनके जीवन में अभिसिंचित हो और हम भारत की गौरवमयी अमूल्य स्वाधीनता की धरोहर और उसके संदेश को अक्षुण्ण बनाए रखें, यही इस संगोष्ठी के आयोजन का उद्देश्य है।

संगोष्ठी के उपविषय -

- स्वाधीनता-आंदोलन में साहित्यकारों का योगदान
- स्वाधीनता-आंदोलन की पृष्ठभूमि और इतिहास
- स्वाधीनता-आंदोलन की सामाजिक स्थिति
- स्वाधीनता-आंदोलन की भू-राजनैतिक परिस्थितियाँ
- स्वाधीनता-आंदोलन का अर्थतंत्र एवं जन-प्रबंधन
- स्वाधीनता-आंदोलन और न्यायपालिका
- स्वाधीनता-आंदोलन में भारतीय संस्कृति का योगदान
- स्वाधीनता-आंदोलन में धर्म की भूमिका
- स्वाधीनता-आंदोलन में कूटनीतिक एवं रणनीतिक योजनाएँ
- स्वाधीनता-आंदोलन की लोक-अभिव्यक्ति
- भारत की विभिन्न भाषाओं, बोलियों में वर्णित क्रांतिवीर
- स्वाधीनता-आंदोलन में भारतीय नारी की भूमिका
- स्वाधीनता-आंदोलन और विदेशी धरा
- स्वाधीनता-आंदोलन में जनजातियों का योगदान
- मुख्य विषय से संबंधित अन्य विषय

विश्वविद्यालय का परिचय :

नैक बैंगलोर से ए + ग्रेड प्राप्त पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की स्थापना छत्तीसगढ़ शासन के अधिनियम क्र. 26/2004 द्वारा सन् 2005 में की गई है। यह विश्वविद्यालय कोनी-बिरकोना मार्ग पर स्थित है। विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य है। राज्य में इस विश्वविद्यालय के छह क्षेत्रीय केंद्र- बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, जगदलपुर, अम्बिकापुर, जशपुर तथा एक उप-क्षेत्रीय केंद्र- कांकेर है। संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में विश्वविद्यालय के 147 अध्ययन-केंद्र संचालित हैं। इन केंद्रों के माध्यम से वनांचल बस्तर (अबूझमाड़) सरगुजा, जशपुर जैसे दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। विश्वविद्याल इन केंद्रों से दूरस्थ शिक्षा-प्रणाली के आधार पर गुणवत्तायुक्त उच्च-शिक्षा प्रदान कर रहा है।

बिलासपुर :

छत्तीसगढ़ राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, यहाँ छत्तीसगढ़ राज्य का उच्च न्यायालय है। इसे न्याय और संस्कारधानी के नाम से भी जाना जाता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का मुख्यालय बिलासपुर में है। शिष्टाचार और आतिथ्य के लिए तत्पर इस समृद्ध शहर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक सुंदरता की अनुपम छटा देखने लायक है।

पर्यटन स्थल :

- रतनपुर (माँ माहामाया मंदिर) 26 कि.मी.।
- तालागाँव (प्राचीन देवरानी-जेठानी मंदिर) 40 कि.मी.।
- मल्हार (पातालेश्वर, डिडनेश्वरी मंदिर) 40 कि.मी.।
- गिरौधपुरी (संत गुरुघासीदास जी की जन्मस्थली), जैत खांभ (कुतुब मीनार से ऊँचा) 62 कि.मी.।
- चैतुरगढ़ (छत्तीसगढ़ का कश्मीर) 65 कि.मी.।
- दामाखेड़ा (संत कबीर का आश्रम) 82 कि.मी.।

पहुँच मार्ग :

- सड़क/रेल : बिलासपुर, रेल/सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। मुम्बई-नागपुर-हावड़ा रेल-मार्ग पर स्थित है, समीप ही रेलवे स्टेशन उरलापुर भी है।
- हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा (स्वामी विवेकानंद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) रायपुर है जिसकी बिलासपुर से दूरी लगभग 125 कि.मी. है।

पंजीयन :

प्राध्यापकगण/शोधार्थी/विद्यार्थी/अन्य इच्छुक प्रतिभागी पंजीयन के लिए वेबसाईट www.pssou.ac.in पर दिए गए लिंक ऑनलाइन पंजीयन-प्रपत्र Seminar भरें एवं ऑनलाईन भुगतान करें। अथवा इसी लिंक पर पंजीयन-प्रपत्र की पीडीएफ कॉपी डॉउनलोड कर सकते हैं। पंजीयन हेतु पंजीयन-प्रपत्र की हार्डकॉपी की छायाप्रति का उपयोग भी किया जा सकता है। पूर्ण भरा हुआ पंजीयन प्रपत्र अनिवार्यतः जमा करें।

शुल्क :

- प्राध्यापक/अन्य : रु. 1000 (एक हजार रु.)
- शोधार्थी : रु. 700 (सात सौ रु.)
- विद्यार्थी : 500 (पाँच सौ रु.)

- पंजीकृत प्रतिभागियों को व्यय स्वयं के संसाधनों से करना होगा।
- पंजीकृत प्रतिभागियों को ही प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

शोध-पत्र/आलेख प्रकाशन

- पूर्ण शोध-पत्र/आलेख जमा करने की अंतिम तिथि : 10 जनवरी., 2024 (सार पृथक पृष्ठ पर हो)
- शोध-पत्र/आलेख मौलिक एवं संदर्भ सहित हो तथा लेखक का नाम, पदनाम, पूर्ण पता, मो.नं. का उल्लेख अवश्य हो।
- शोधर्थी अपना शोध-विषय एवं वि.वि. के नाम उल्लेख करें।
- शोध-पत्र/आलेख Kruti Dev 010, Font Size-14, Word file एवं PDF file E-mail : seminarchdhindi2017@gmail.com पर भेजें।
- शोध-पत्र/आलेख चयन समिति द्वारा स्वीकृत होने पर ISBN पुस्तक में प्रकाशित किया जाएगा। चयनित आलेखों के लेखकों को पृथक से सूचित किया जाएगा। प्रकाशन की राशि अलग से देय होगी।

Mode of Payment:

Online Payment (google pay, Phone pay, UPI) A/C No. 58100100001974 IFSC Code - BARB0BIRKON (Zero), Bank Name- Bank of Baroda, Birkona Branch Pt. Sundarlal Sharma Open Universty Chhattisgarh, Bilaspur पर इंटरनेट बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से ऑन-लाईन पेमेंट/RTGS/NEFT कर सकते है शुल्क जमा करने की Transaction ID, Date और शुल्क जमा करने की सूचना E-mail - seminarchdhindi2017@gmail.com पर अनिवार्यतः देवें।

नगद पंजीयन हेतु संपर्क करें : डॉ. प्रीति रानी मिश्रा, विभागाध्यक्ष, सूचना एवं ग्रंथालय विभाग (मो.नं.-7587365320)